

**राज**

**कॉमिक्स**

मूल्य 15.00 संख्या 560

# उड़ती मौत

सुपर कमांडो ध्रुव

मुफ्त  
ध्रुव का  
एक पोस्टर





तूने 'लेडीबर्ड' के काम में  
अहंता डालकर अपने जीवन की  
सबसे बड़ी भूल की है...

और  
आखिरी  
भी !

अब मैं तुम्हें छोड़ने  
जा रही हूँ !

और तेरा बदन जमीन  
से टकराएगा...

तो तेरे चिथड़े पूरे राज-  
नगर में बिखरे नजर  
आएंगे !

अब धुव भी क्या करे ? जब परों  
पर फड़फड़ाती आये...

# अदानीमान

कथा एवं चित्र : अनुपम सिन्हा.

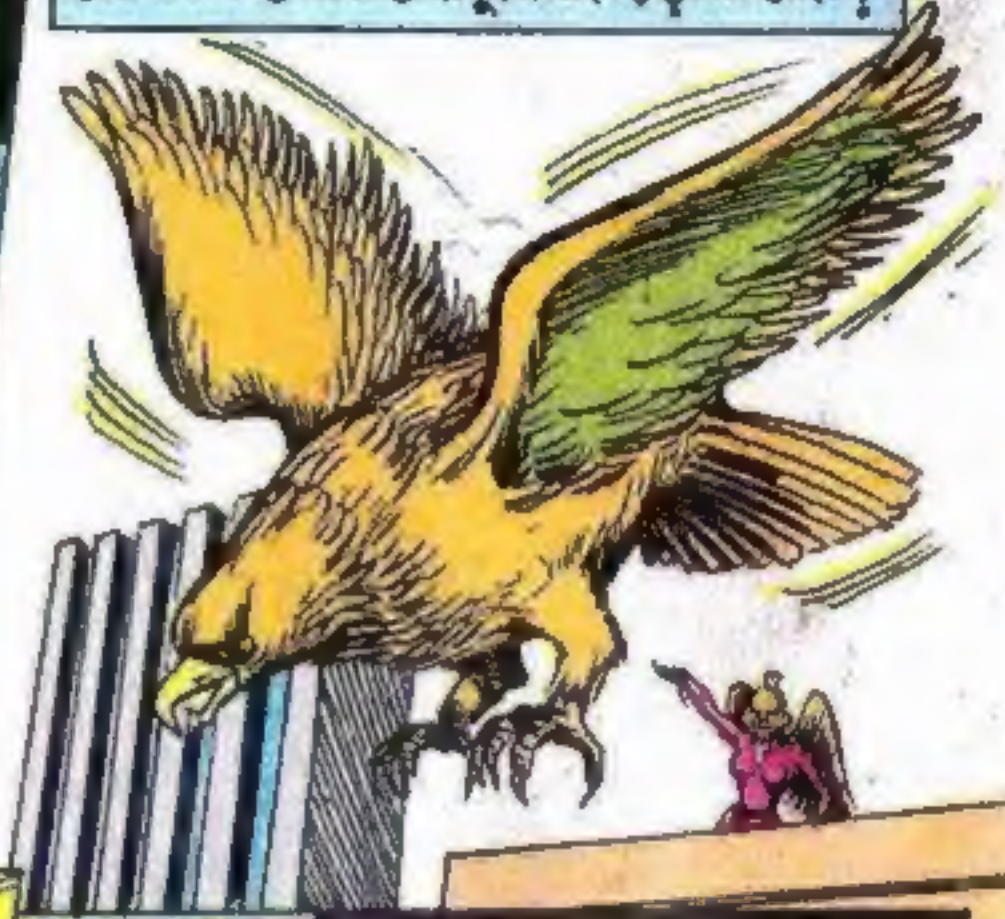
संपादक : मनीष गुप्ता.



रात के अंधेरे में, कात्मा आकाश, परिनदों से स्वाली रहता है।

उड़ते हैं तो सिर्फ वे पक्षी, जिनको या तो इस काम के लिए सधारा गया हो

और या... उनको अलबुलकर उड़ाया जाय।



काले आसमान पर दो परिनदे —

स्फटिकार —



और उन पर नजर रखे हुए कुछ लोग।

बालू, अपने कबूतर पर कोई बाज हमला कर रहा है!

बाज! फिर से बाज!

लेकिन रात के समय बाज कहाँ से आ गया?



और दूसरा डिकारी।

लड़ाई छोटी सी थी।

बाज के सामने कबूतर कब टिक पाया है?



हमारा कबूतर गिर रहा है! घायल हो गया है!

उस पर नजर रखो! देखो कि वह कहाँ पर गिरता है! उसको पकड़ना बहुत जरूरी है!

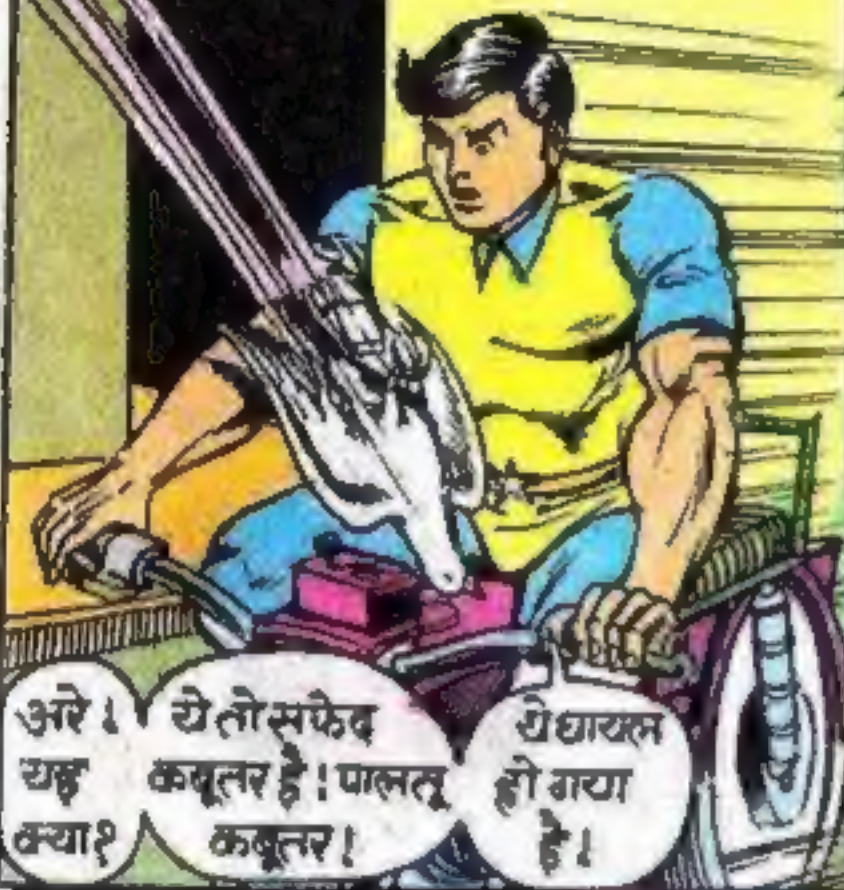
और वह भी तब, जब बाज मामूली बाज नहीं हो।

गाड़ी, गिरते कबूतर की तरफ बौड़ पड़ी।



लेकिन कबूतर की किस्मत में जमीन पर  
घिरना नहीं लिखा था।

लेकिन इसके पैर में  
ये पैकेट कैसा बंधा  
हुआ है?



अरे! ये तो सफेद  
चूड़ा कबूतर है! पालतू  
क्या? कबूतर!  
ये धाकल  
हो गया  
है!

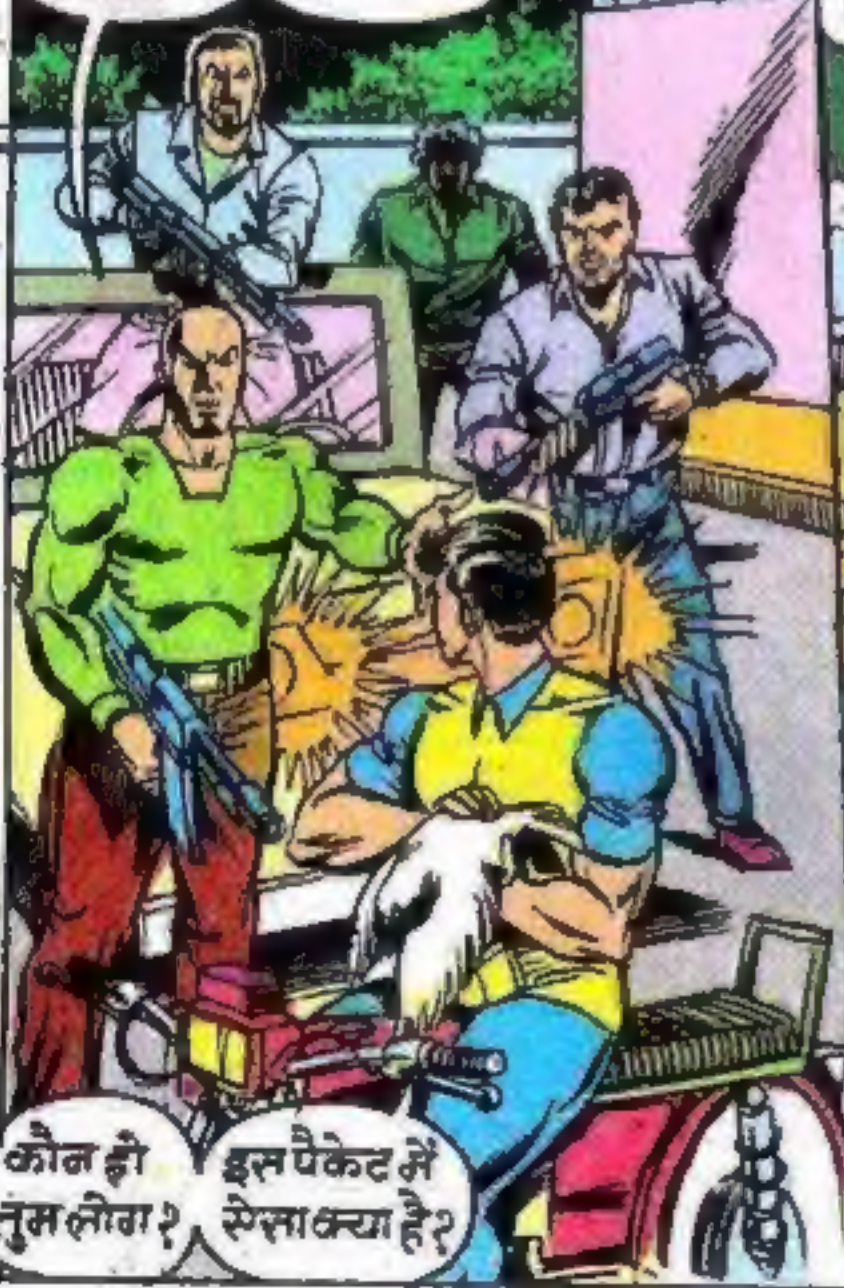


ये पैकेट  
हमारा है,  
नइके!

हमको यह  
पैकेट दे दे। बदले में कबूतर  
तुरन्त ले।

इस पैकेट में बंद  
है तेरी मौत!

छिना किसी चेलावनी के नाखों तन गई—



और गोलियां हवा में उड़ने लगीं—



धड़क धड़क

तड़ तड़ तड़ तड़

कौन हो  
तुम लोग? इस पैकेट में  
रेसा क्या है?

गुंडे किसी भी कीमत पर पैकेट को पाना चाहते थे।



- किसी भी कीमत पर !



और यह कीमत वे सूद सहित चुका रहे थे।

इस लड़ाई को बड़े  
ध्यान से देखा जा रहा था।

यह गलत हो रहा है! इस  
तरह तो ये चारों मिलकर भी  
इससे पैकेट नहीं छीन पायेंगे!

रुक हाथ हिला—

और मौत रुक बार फिर  
हवा में उड़ चली—



और जब तक ये पैकेट  
नहीं हासिल करेंगे, तब तक  
ये अपने अड़्डे पर जाने की  
हिम्मत नहीं करेंगे!

और यह मैं  
नहीं चाहती!

और इस बार उसका  
निष्ठाका था...

सुपर कमांडो ध्रुव !

ओह! यह बाज!

खिखिरी सी...

ध्रुव के गले से आवाज उभरी—

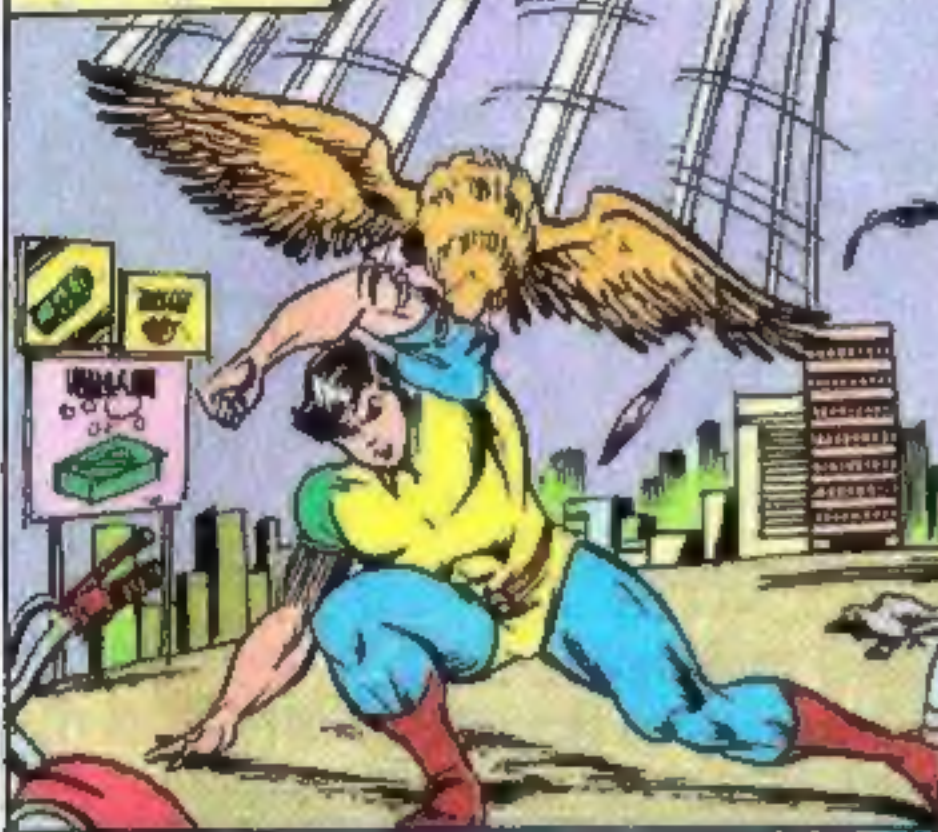


भाषा, बाजों  
की ही थी।

लेकिन न जाने क्यों, वह बाज कुछ  
सुनने को तैयार ही नहीं था।



और ध्रुव जानता था कि बाज अपने शिकार को कभी नहीं छोड़ता—

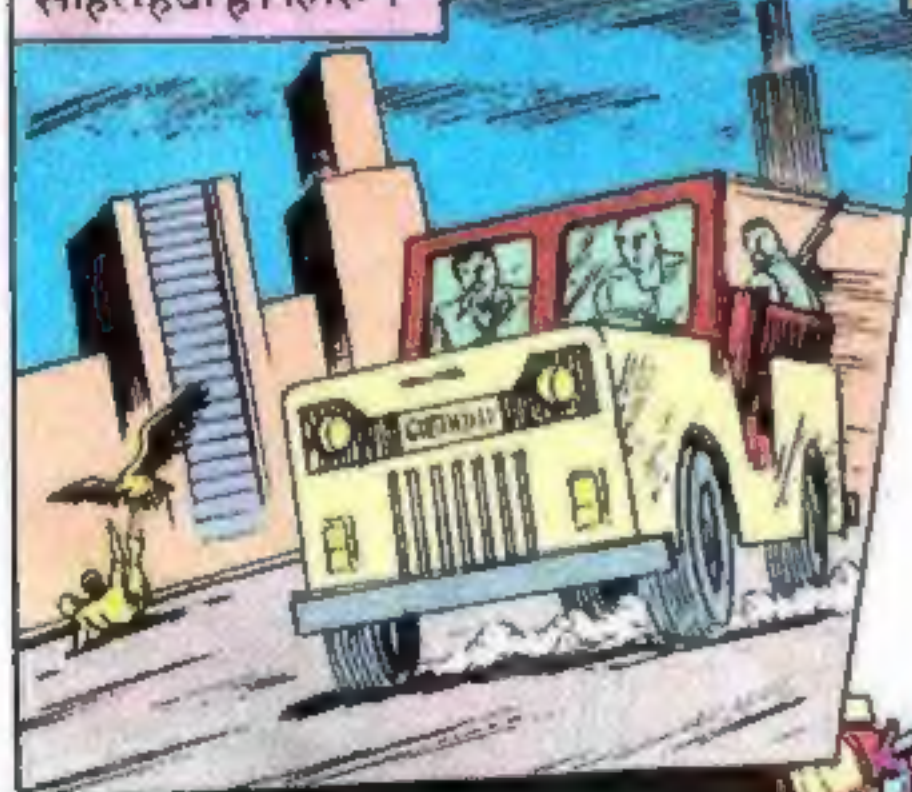


गुंडे मौका ताड़ रहे थे।

उठा कबूतर, मौरंगा! और भाग ले यहाँ से।



ध्रुव के संभल पाने से पहले ही गुंडे, कबूतर सहित हवा हो लिए।



ध्रुव, बाज से जूझ रहा था...

और ट्रेंड बाज, धीरे-धीरे उस पर हावी होता जा रहा था।

यह मेरी आंखें निकालना चाहता है।



इसे रोकने के लिए मुझे पहले इसकी आंखें बन्द करनी होंगी।

ध्रुव ने एक भटके से मोटरसाइकिल के हैंडल का कवर खींच लिया—



और कवर, बाज की गर्दन तक जा चढ़ा—



जब तक बाज संभलता, ध्रुव के शक्तिशाली हाथ, मोटरसाइकल का 'केलचवायर' रवींच चुके थे।



और बाज के पंजे, फंदे में फंस चुके थे।

अब बाज बेवस था।

ओह! वे गुंडे कबूतर को लेकर निकल लिस। पर आखिर यह चक्कर था क्या?

जहां तक मैं समझ पाया हूं, उस पैकेट में हेरोइन थी। रक्तरनाक और भइंगी लड़ीली बवा!



खैर! सबसे पहले तो मोटरसाइकल को दुरुस्त किया जाय।

ध्रुव का ख्याल सही था।

बाल-बाल बचे, गुरू!

अगर ध्रुव समझ जाता कि इस कबूतरों के जरिए हेरोइन की इस बेड़ा के अंदर लाते हैं, तो हमारा राज खुल जाता।

लेकिन राज तो खुल चुका था।

ध्रुव के सामने भी

और उस रहस्यमयी आकृति के सामने भी —



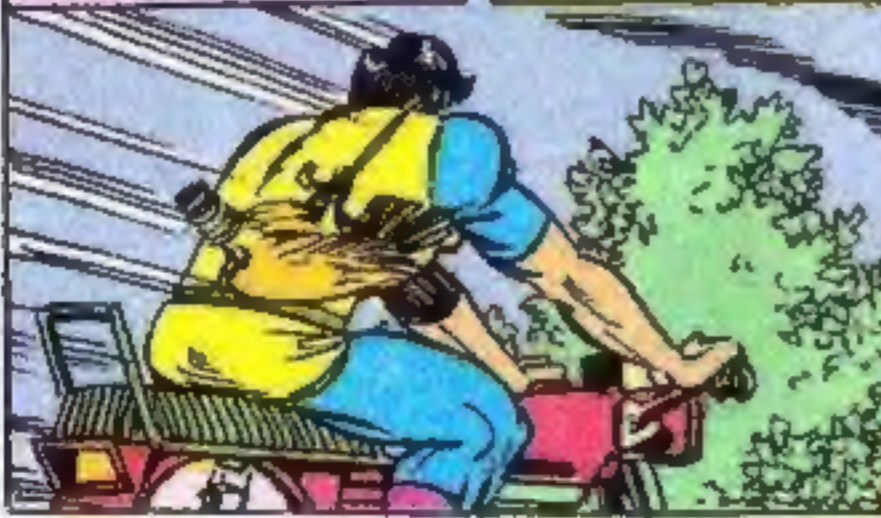
और बॉस हमको कभी जिन्दा नहीं छोड़ता।

किस्मत थी जो बच गाय!

भला ही उस बाज का!

ध्रुव के दिमाग में सवालों की बाढ़, बहरही थी।

लेकिन जवाब कहीं से नहीं मिल रहे थे।



कमांडो इंडक्वाइट







और साथ ही साथ उनके बारे में सारी जानकारी भी—

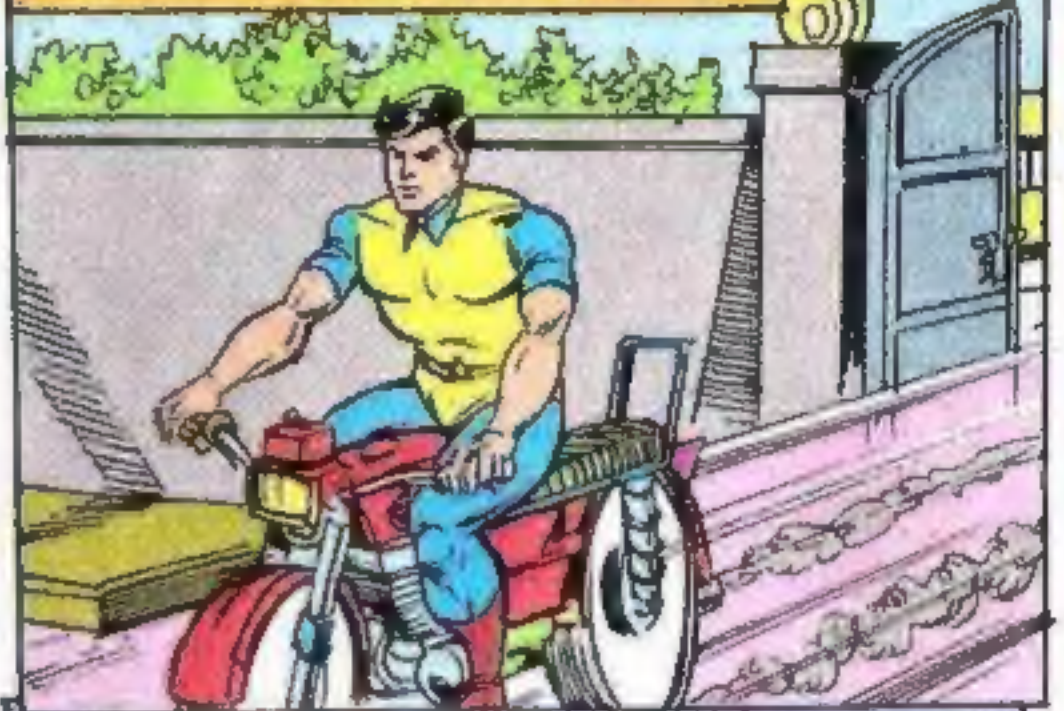
**IM. INFORMATION**



नाम: मौरंग  
 गुट: डैम पाटी गुट  
 लंबाई: 5 फुट 3 इंच  
 वजन: 81 कि.ग्रा.  
 स्टेडस: मामूली अपराधी,  
 चार बार जेल गया।  
 हेरोइन तस्करो डॉन  
 किंग से संपर्क.....

PLEASE PRESS 'F'

कुछ ही देर बाद— ध्रुव की मोटरसाइकल अपनी मंजिल की तरफ तेजी से बढ़ रही थी।



बॉस को बता दूं कि आज तो उनके दुश्मन बाज ने ही हमको बचाया...

बाज!

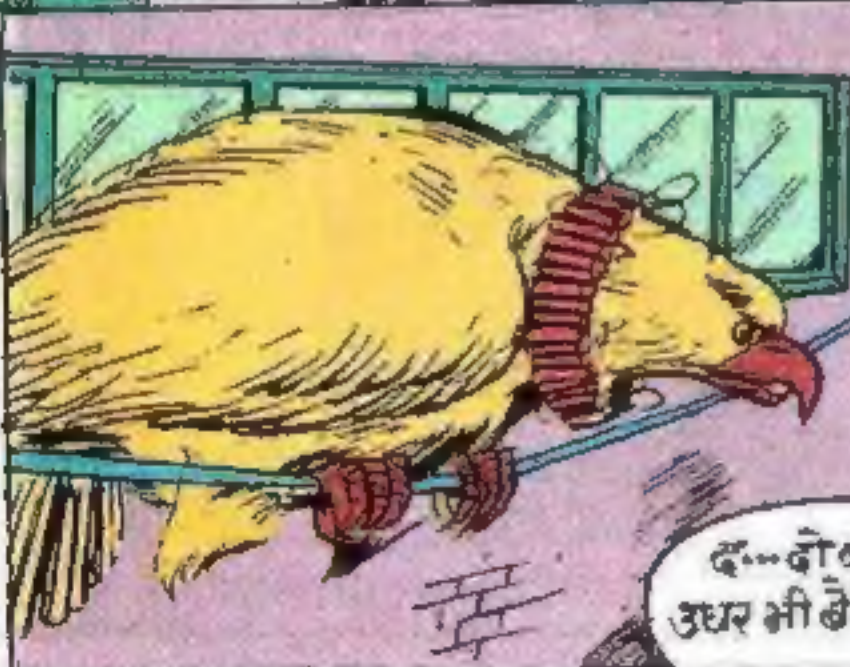
लेकिन ध्रुव का काम तो कोई और पूरा करने जा रहा था।

आज डौलान अपने साथ था।



सच में। वरना सुपर कमांडो ध्रुव के हाथों से बचकर निकल पाना मजाक नहीं है।

चल रे! बॉस को फोन मिला!



दो... दो बाज उधर भी बैठे हैं।

पर... पर इनकी गार्दन में क्या लटक रहा है?

मुझे तो डायना-माइट की धड़ें लगती हैं। पर क्यों?



जवाब मिलने के  
पहले ही—

रुक गया सवाल खड़ा हो गया—

कड़कड़कड़

क... कौन  
हो तुम ?

लेडी  
बर्ड !

और अब तुम यह पूछोगे  
कि मैं क्या चाहती हूँ !

जवाब  
है... ०००

... तुम लोगों  
की जान !

अब तक बंदूकें अपनी-अपनी  
जगह से बाहर आ चुकी थीं ।

रुक धमाके के साथ,  
पहले बड़े के चिथड़े  
उड़ गए ।

बड़ा  
ममममम

साथ ही साथ, बाज के भी ।

तड़तड़तड़

और गोलियां हवा में  
उड़ने लगी थीं ।

निद्राणा 'लेडी बर्ड' का  
जिस्म था ।



लेकिन गोलियों के साथ, ट्रेंड बाज भी हवा में लपक चुके थे।

अब उसने गुंडों की दर्दनाक मौत देने की ठान ली थी।

**डं**

सुई जैसी लुकीली और ब्लैंड जैसी तेज चोटें, एक शरीर में आ घंसी —

चीखों से कमरे की दीवारें हिलने लगीं।

एक भी गोली, सिही बर्ड के शरीर तक नहीं पहुँच पाई।

उसने भय से आँखें खंद कर लीं।

लेकिन पलकों भी हाइ मास की ही बनी होती हैं।

और दूसरे गुंडे के पैर भय से जड़ हो गए।

**फटाक**

पंजे, पलकों को खंदते हुए गहराई तक जा पड़े।

और गले से उबली चीख के एक पाले से पहले ही —

हाथनामाइट की एक लंबी छड़ उसकी गर्दन पर भी आ कसी —

मौत उसकी तरफ लपक रही थी।



और गुंडे का बदन हवा में उड़ता हुआ,  
दीवार से टकराने के लिए बंद चलता —

एक सेकेंड बाद, धमाके के साथ डर्रीर के चिथड़े बिखर जाते  
थे।



लेकिन उसका डर्रीर, दीवार  
तक नहीं पहुंच पाया —

सुपरकमांडो धुव  
भी, गुंडों तक आ  
पहुंचा था।

तू यहां पर  
भी मरने आ  
गया ?

तुम जो कोई  
भी हो, मुझे पहचानती  
हो। पर कैसे ?

हम पहले  
मिले हैं  
क्या ?



वह तेरी किस्मत और अब ये तेरी बच्ची किस्मत  
भी कि हम पहले है कि लेडी बर्ड से तेरा सामना  
नहीं मिले ! हो गया। हट जा मेरे रास्ते से।

वर्ना तेरा हाल भी  
इन कमीनों जैसा  
हो जाएगा।

मैं जानता हूं कि ये  
सभी नड़ीली दवाओं  
के तस्कर हैं।

लेकिन इनसे  
तुम्हारी क्या  
कुश्मती है ?

ओह! वह भाग  
रहा है!

और इनको सजा देने का  
हक तुमको किसने दिया ?

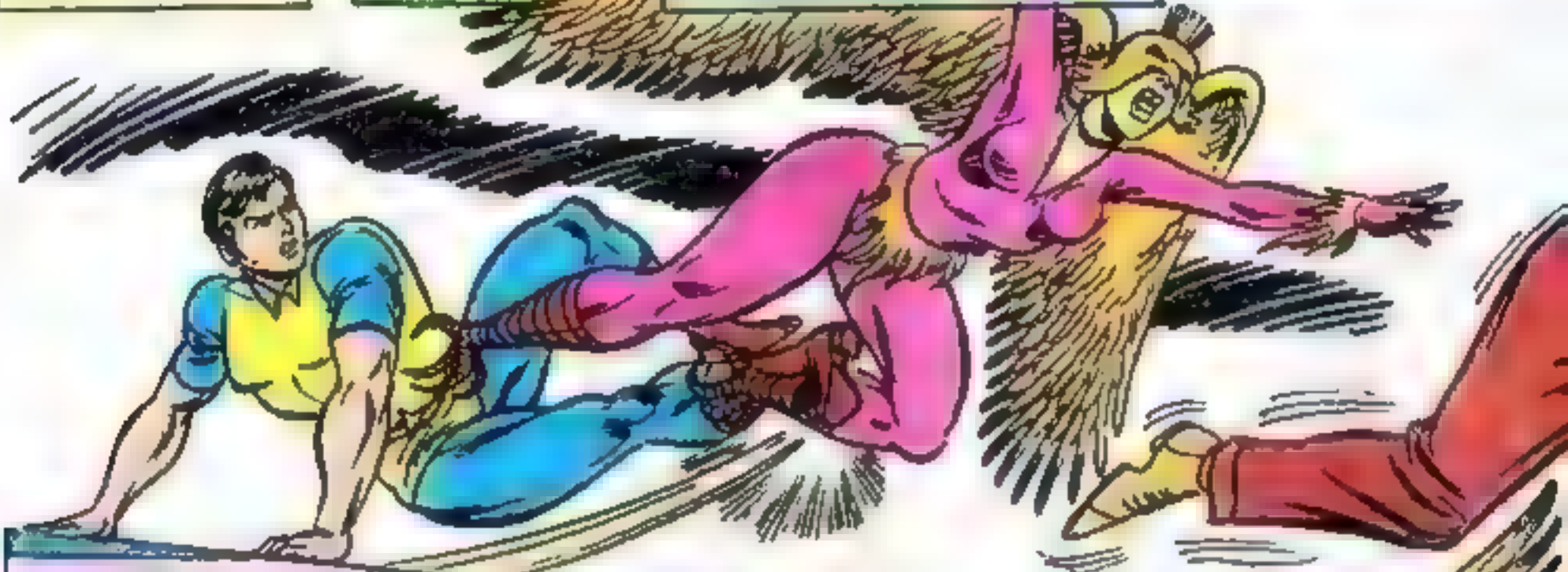




लेडी बर्ड, डेंग पाटी की तरफ लपकी—

लेकिन धुत बीच में आ गया।

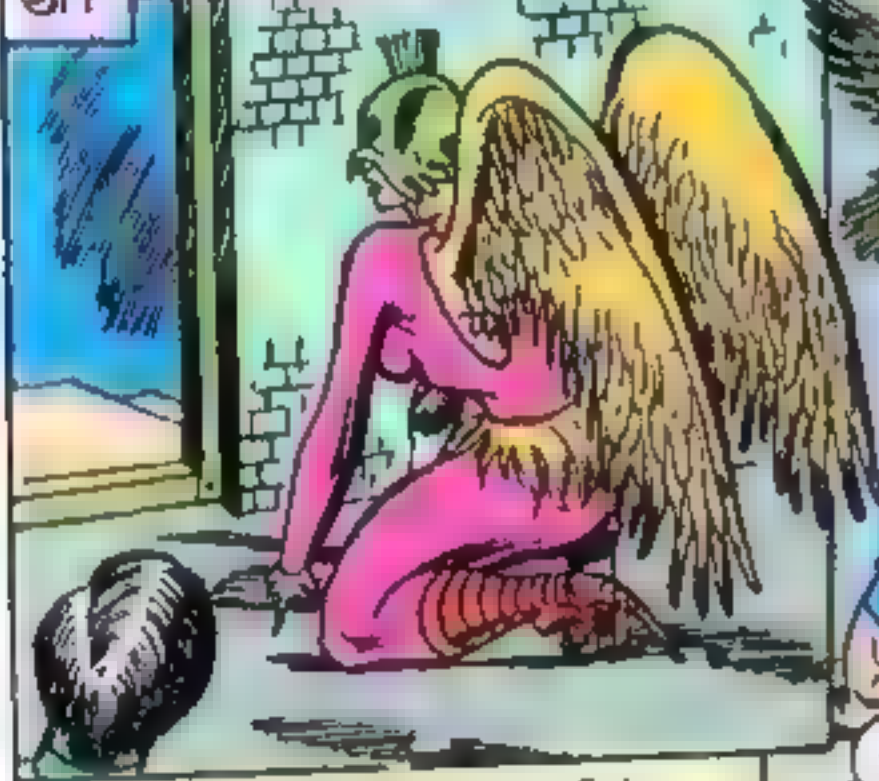
वह जानता था कि अगर डेंग पाटी, लेडी बर्ड के हाथ लग गया, तो उसका क्या हाल होगा।



लेडी बर्ड के संभलने से पहले डेंग पाटी दूटे दरवाजे से गायब हो चुका था।

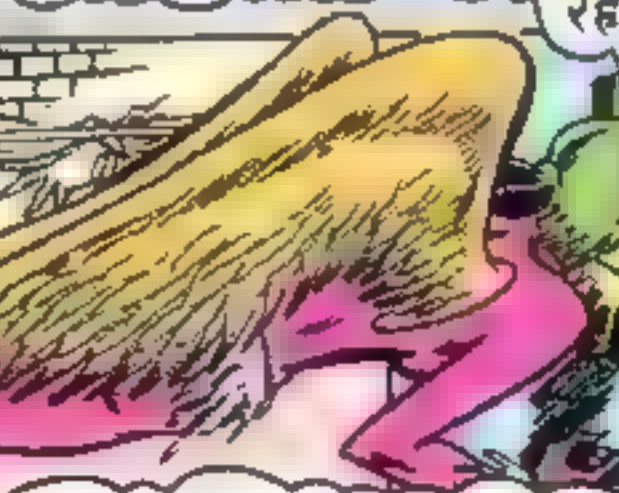
और अब लेडी बर्ड का कहना...

...धुत पर दूटने वाला था।



ओह! इसमें तो अमानवीयता है!

मैं इसके पंजों की अपनी औरों की तरफ बढ़ने से नहीं रोक पा रहा हूँ।



धुत

अब रुक ही रास्ता है...

... कि इसकी ताकत का इस्तेमाल इसी के खिलाफ किया जाए।



इसकी ताकत  
इसके पंख हैं।

लेकिन ये पंख असली हैं।  
इसके शरीर पर छाजों जैसे  
पंख कैसे निकल आए ?

जहां तक मैं  
समझ पा रहा हूँ...

और बगैर वह  
संबंध पता लगाना...

आह !



इसकी इस हाकत, और  
हेरोइन के इन तस्करों में  
जरूर कोई संबंध है।

और दो तरफ से मौत  
इसकी तरफ लपक पड़ी।

मुझे पूरा यकीन है कि ये  
बाज भी मेरी भाषा नहीं समझेंगे।  
और इनका मुझसे टकराने का  
नतीजा मेरी निश्चित मौत है।



मुझे आखिरी समय तक इनके  
पास आने का इंतजार करना होगा।

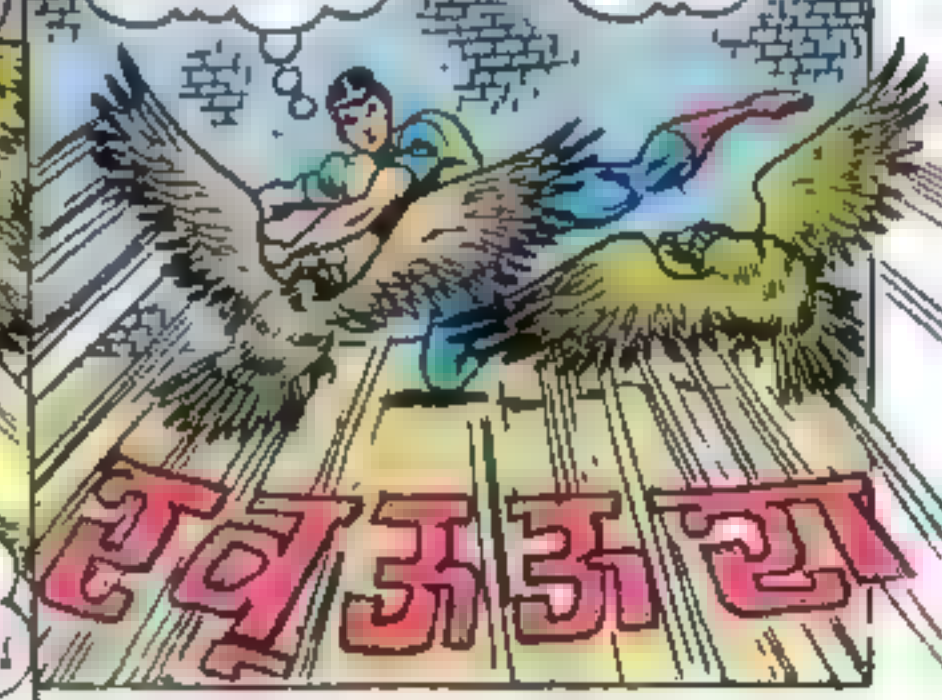
धड़



रुक करारे वार से धुत  
जमीन पर आ गिरा —

और आखिरी समय पर  
इनके रास्ते से अलग हट  
जाना होगा...

ताकि ये दोनों बाज  
आपस में ही टकरा  
कर...



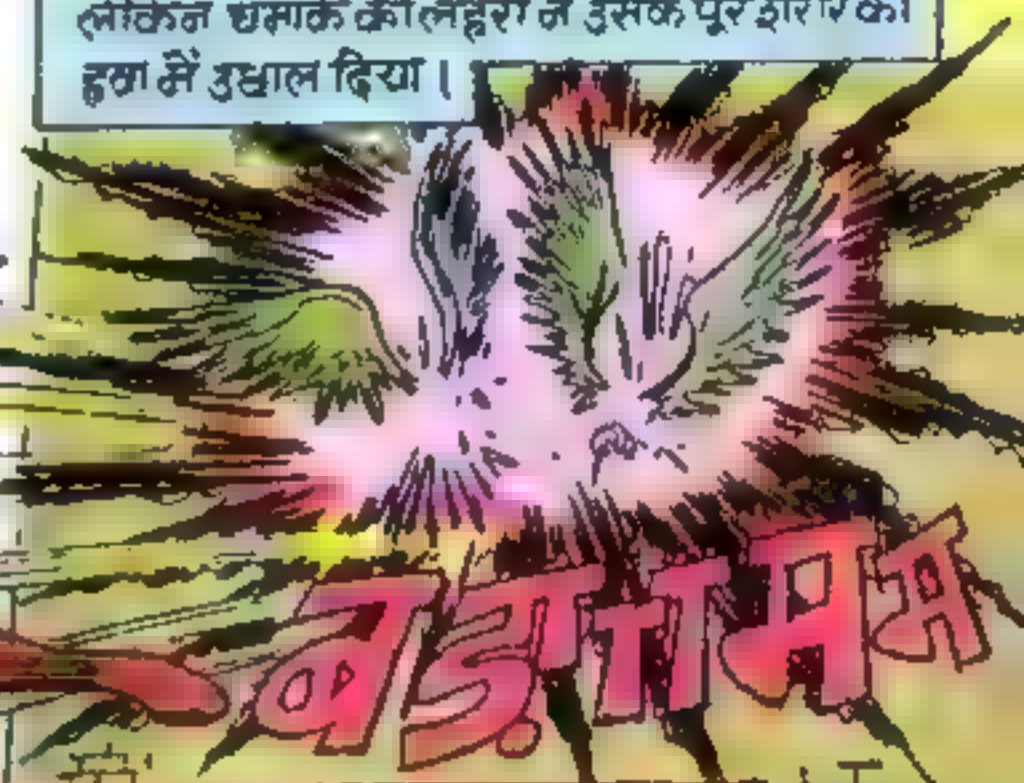
हवू ऊ ऊ या



धमाके से उड़...

धुधरासे से तो हट गया।

लेकिन धमाके की लहरों ने उसके पूरे शरीर को हवा में उछाल दिया।



**बड़ा धमाका**

उसका दिमाग कुछ पलों के लिए झूल्य हो गया —

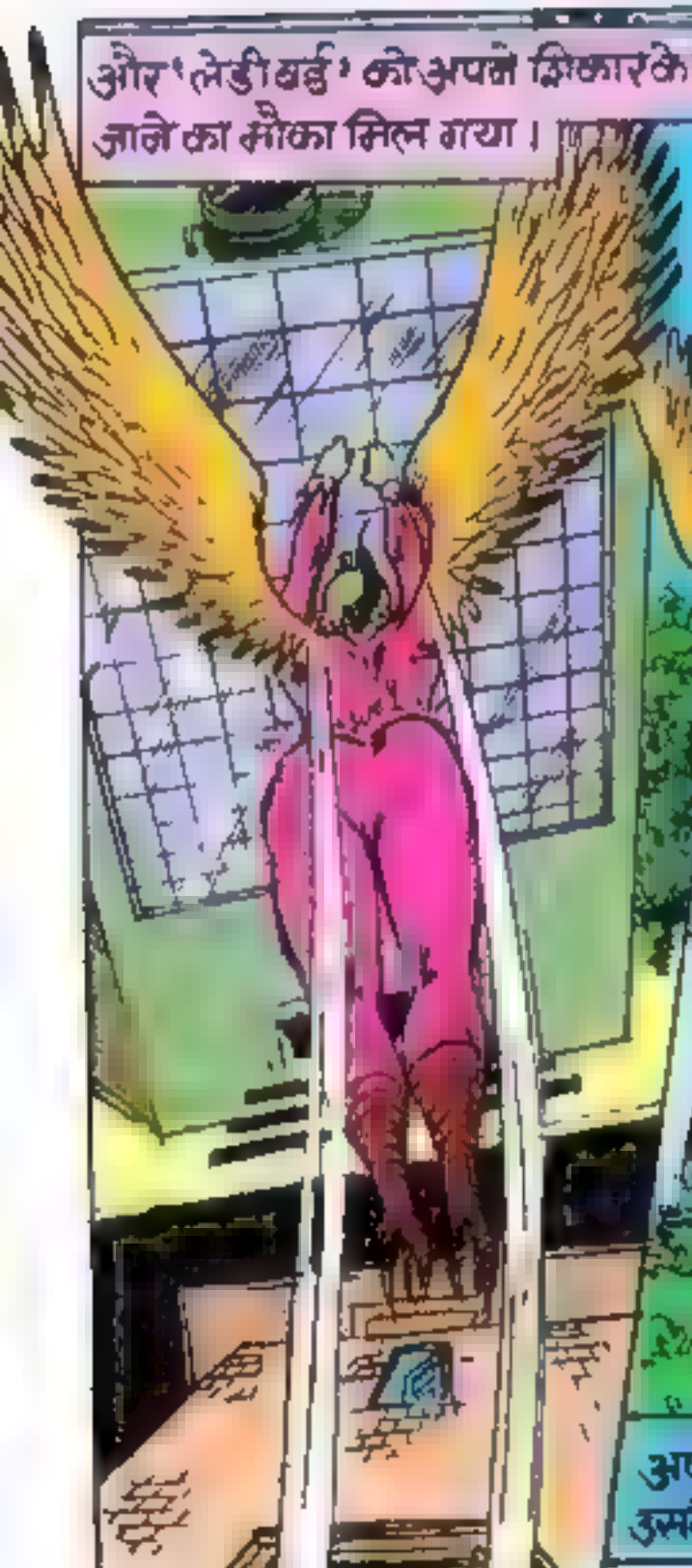
और 'लेडी बर्ब' को अपने झिकार के पीछे जाने का मौका मिल गया।

इनकी देर में होगा सिर्फ बिन्दिगा से बाहर निकल पाया था —

लेकिन बच नहीं सका!

सांस उसके गले में ही अटक कर रह गई —

वह चीखता चाहता था।



अपनी तरफ झपटती मौत को देखकर उसने फिर से अंदर लपकना चाहा —

मगर चीख नहीं पाया।

**ह्रीं**



सरसराती हवा में, रुक  
ठंडी आवाज सरसराई—

अब जो कुछ भी मैं  
पूछूँ, साफ-साफ  
बताता जा ।

हैंग स्वामीजी से सारे  
स्वाल सुनता चला गया ।

और ज़ाब अपने आप उसके  
गले से फिसलने लगी—

अगर जरा भी झूठ  
बोलने की कोशिश की,  
तो तेरे और जमीन के  
बीच में सिर्फ हवा होगी ।

ब... बस !  
मैं और कुछ नहीं  
जानता ।

तो तेरा काम अब  
सकल हो गया...

ब... बताऊंगा ! बता  
दूंगा ! पू... पूछो ! पूछो !

... और तेरी  
जिन्दगी भी !

रुक चीख हवा में  
खिंचती चली गई—

जमीन तक पहुंच  
पाने से पहले ही—

हैंग पाटी का हार्ट फेल हो चुका था ।

और धुव के लिए  
रुक ने राहस्थ  
सहो हो गया था ।

लेडी  
बर्ड !



कहीं और भी, इसी रहस्यमय आकृति का जिक्र हो रहा था।

क...क्या? तुने ठीक से तो देखा था न?

यह बात में अभी तो दिक्कत ये सोचेंगे! है कि धुव हमारा राज जान गया है। कि हम ट्रेंड कवूतरी के जरिए हेरोइन को इस देश के अंदर लाते हैं।

हूँ... हां, किंग। डेवा और बाकी तीनों भी स्वतंत्र हो गए।

पर... पर वह बाज जैसी लड़की उन चारों के पीछे पड़ी क्यों?

अब हमको कोई नया रास्ता सोचना पड़ेगा! क्योंकि धुव को रवाना करना असंभव काम है।

कमोडो हैडक्वार्टर में-

इतना तो पक्का है करीम, कि लेडी बर्ड और हेरोइन के तस्करों के बीच में कुछ संबंध है।

हेलो कैप्टन!

ओह, पीटर!

कहां से आ रहे हो?

और वह संबंध दोस्ती का नहीं, दुश्मनी का है।

पुलिस हेडक्वार्टर से!

पता करने गया था कि दक्षिणी राजनगर में जो फार्महाऊस जान गया है, उसके बारे में कोई नई जानकारी मिली या नहीं!

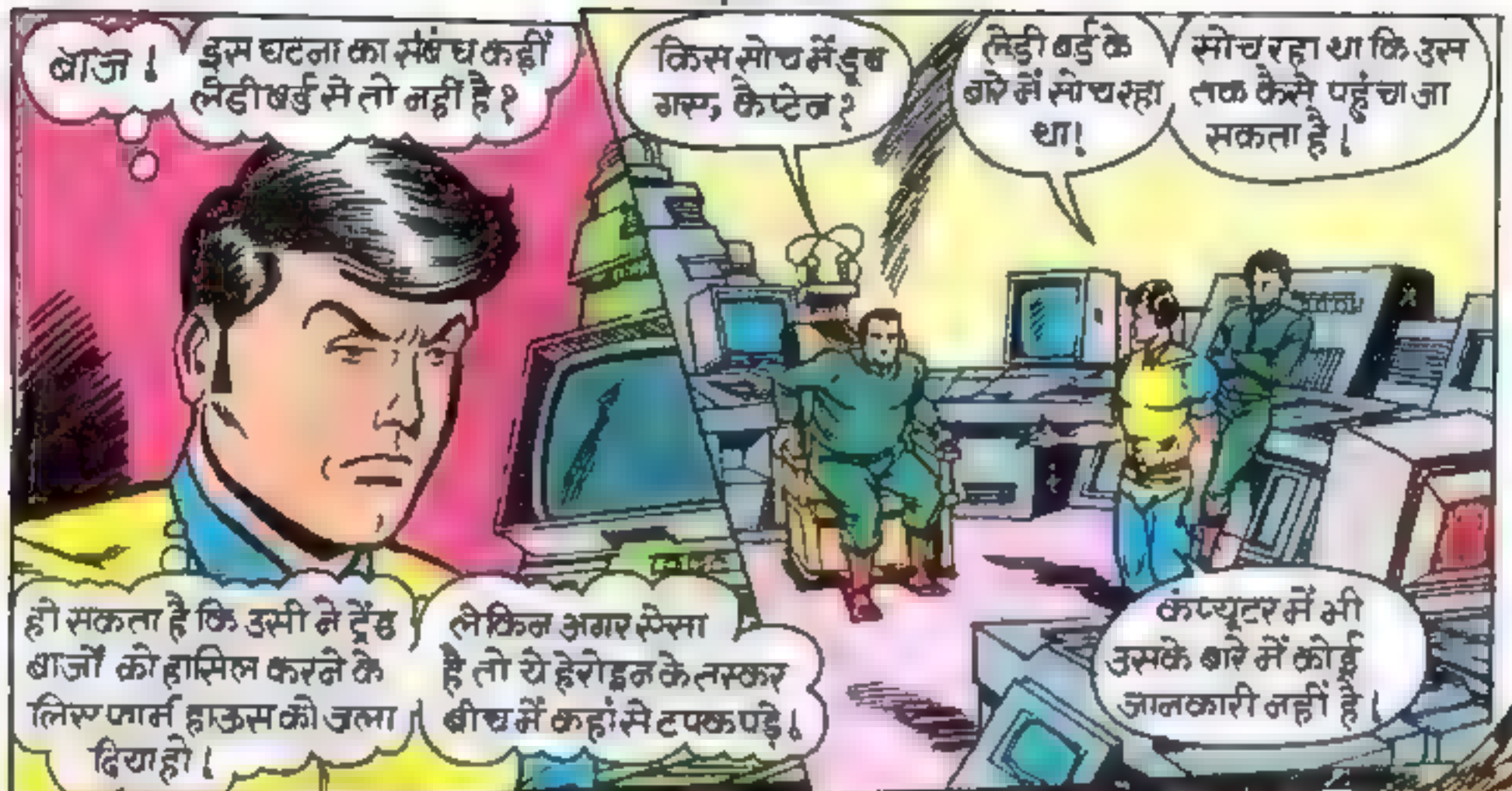
सिर्फ इतना ही पता चला है कि मरने वाले भाई-बहन थे। बहन एक रिसर्च स्कॉलर थी...

भाई... बाजों का ट्रेनर था।

बाजों का ट्रेनर!

और भाई?





बाज ! इस घटना का संबंध कहीं लेडी बर्ड से तो नहीं है ?

किस सोच में डूब गए, कैप्टन ?

लेडी बर्ड के बारे में सोच रहा था !

सोच रहा था कि उस तक कैसे पहुंचा जा सकता है !

हो सकता है कि उसी ने ट्रेंड बाजों को हासिल करने के लिए जार्ज हाऊस को जला दिया हो !

लेकिन अगर ऐसा है तो ये हेरोइन के तस्कर बीच में कहां से टपक पड़े !

कंप्यूटर में भी उसके बारे में कोई जानकारी नहीं है !

और मेरे पास ऐसा कोई सूत्र नहीं...

रुक मिनेट !

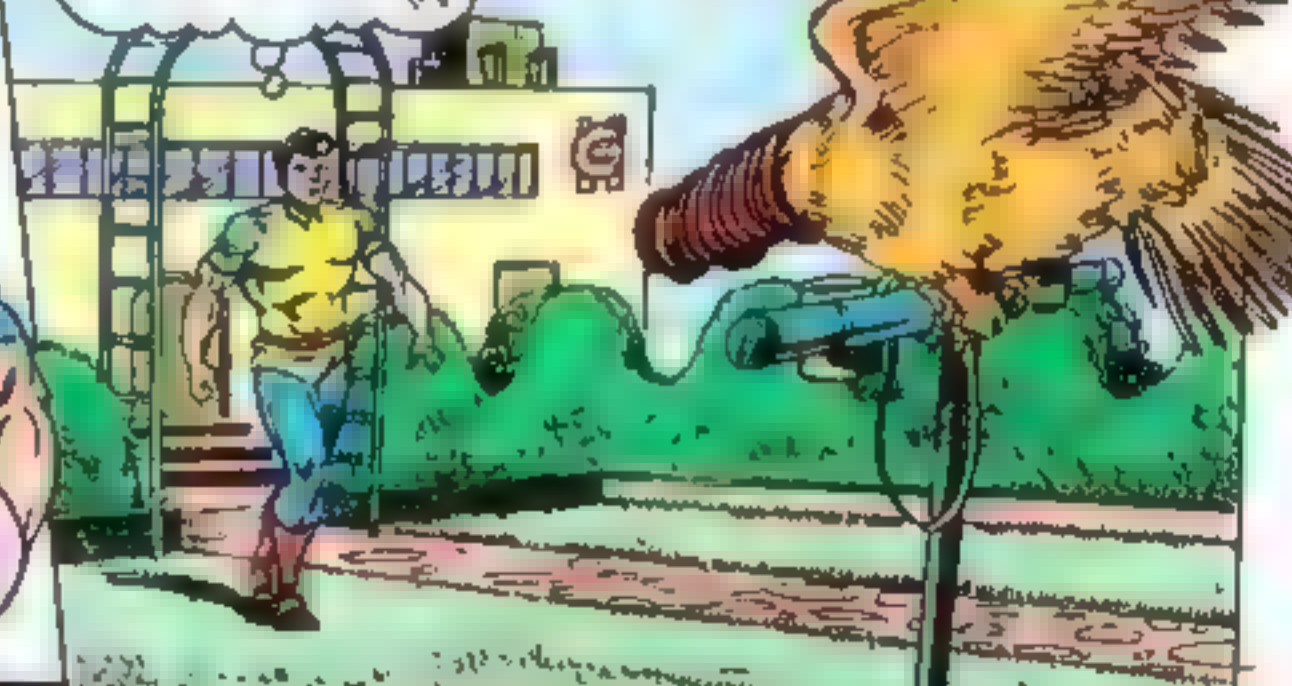
मैं तो लगभग भूल ही गया था कि लेडी बर्ड की रुक लिडाली मेरे पास है !

उसका बाज ! और यही मुझे अपनी मात्मकित तक पहुंचाएगा !



किधर चले, कैप्टन ?

लेडी बर्ड से मिलने !



कुछ देर बाद - बाज, आकाश में अपने पंख पसार चुका था -

और ध्रुव की मोटरसाइकल सड़कों को चीरती हुई उसके पीछे जा रही थी -



हर पालतू पशु-पक्षी की यह खास आदत होती है, कि आजाद होते ही वह अपने रहने की जगह की तरफ भागता है !



और अगर मेरा डाक सही है, तो यह बाज सीधा अपने रहने की जगह पर जाएगा। यानि दक्षिणी राजनगर के जले फार्म हाऊस की तरफ।

यह बाज तो पश्चिम की तरफ मुड़ रहा है! यह कहीं ओर जा रहा है।

ओह! यह सीधा 'प्राकृतिक विज्ञान संस्थान' की इमारत की तरफ बढ़ रहा है।



...लेकिन... लेकिन...

क्या मेरा रक्याल गलत...



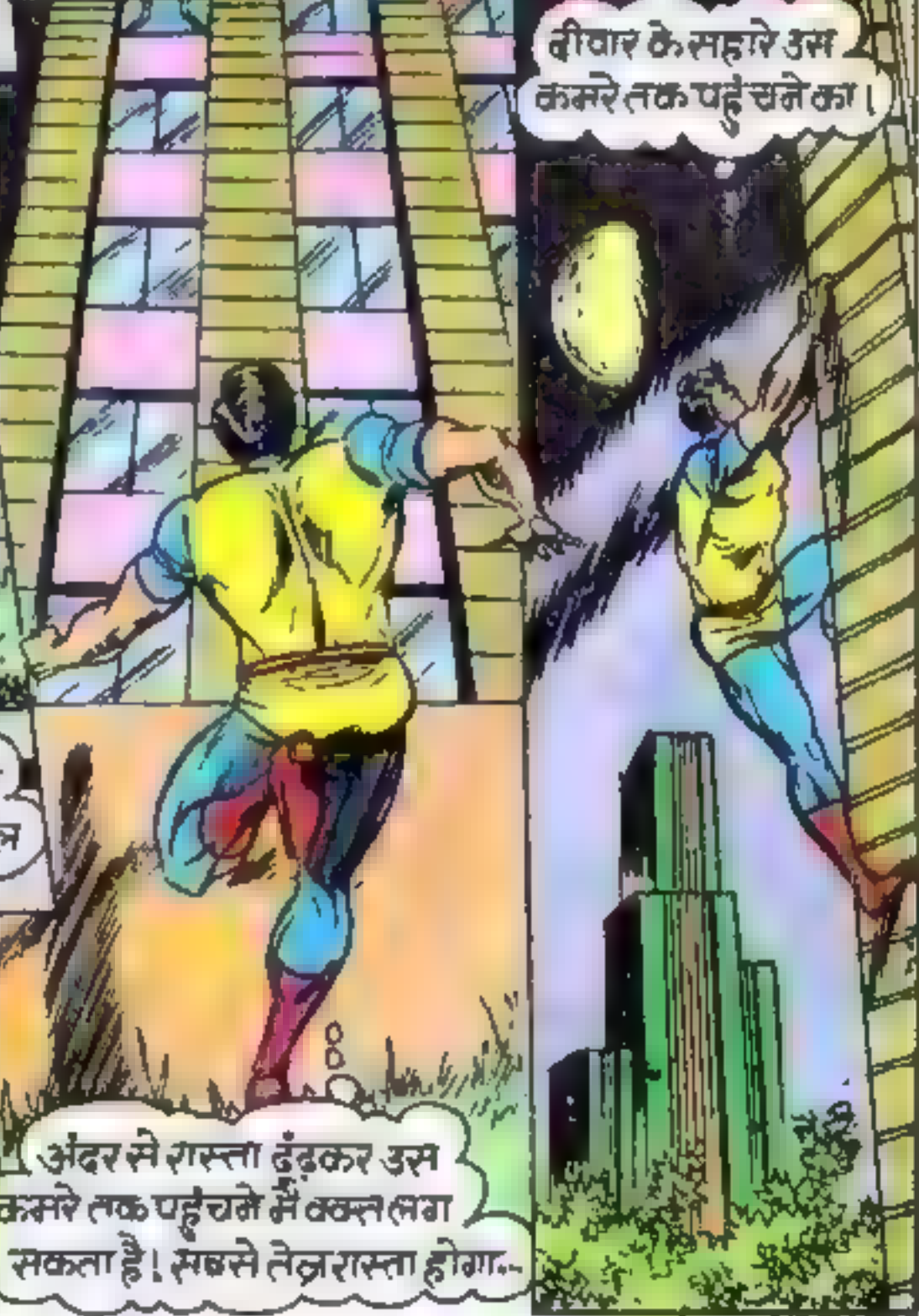
यह चीख? किसी महिला के चीखने की आवाज थी ये! उस खिड़की से ये आवाज आई है! जिसमें लाइट जल रही है...



कुछ गड़बड़ जरूर है! पर क्या?



दीवार के सहारे उस कमरे तक पहुंचने का।



अंदर से रास्ता ढूंढकर उस कमरे तक पहुंचने में कबल लगा सकता है! सबसे तेज रास्ता होगा...



लेकिन कमरे के अंदर भ्रंशकने ही, धुव आइसर्च चकित रह गया-

लेडी बर्ड 'प्राकृतिक विज्ञान संस्थान' के इस कमरे के अंदर मौजूद थी-



लेडी बर्ड!

यह आखिर यहां पर क्या कर रही है?

तू हर जगह मेरे पीछे-पीछे कैसे पहुंच जाता है, लड़के?



सोचो!

स्वैर, उस गलती को मैं अब ठीक कर देती हूँ!



तड़क

आपद तुम्हें जिन्दा छोड़कर मैंने गलती की है! तुम्हें भी उन गुंडों के साथ ही खत्म कर देना चाहिय था।

तू फिर फंस गया है, धुव!

तूने लड़कियों पर हाथ न उठाने की कसम खाई हुई है!

तैसे अगर कसम न भी खाई होती, तो भी कोई स्वाम फर्क नहीं पड़ने वाला था।



इस लड़ाई में ध्रुव, लेडी  
बर्ड की काबू में कर पाता—

या लेडी बर्ड, ध्रुव की जान  
अपने साथ उड़ा ले जाती,  
यह तब ही पाने से पहले ही—

ओह! यह क्या?  
अब मैं यहां पर नहीं रुक  
सकती! मेरा यहां पर आना  
होकर ही गया!

और सिर्फ इस लड़के  
के कारण!



पूरी इमारत एक तीखी  
आवाज से गूँज उठी—

दूसरी महिला वैज्ञानिक ने  
खतरे का अलार्म बजा दिया था—

खैर! मैं तो यहां पर बुबारा  
भी आ सकती हूँ।

लेकिन मैं तुम्हें काल की  
सुबह नहीं देखने दूंगी।

कुछ ही पलों  
बाद, ध्रुव का बदल गमज चुंबी  
हमारितों से भी ऊपर भूत रहा था—



तूने उस डैंग  
नाम के गूंडे का हाल  
दूर से देखा था न!

अब तू अपना  
वही हाल अपनी  
आंखों से देखेगा!



एक मिनट! तुम  
आखिर हो कौन? तस्करों  
से तुम्हारी क्या दुश्मनी  
है?

और तुम्हारा प्राकृतिक  
विज्ञान संस्थान से  
क्या वास्ता है?

तू बस इतना जान ले, कि  
इन तस्करों में से कोई भी  
जिन्दा नहीं बचेगा।

और तेरे बाद इन गुंडों के  
मालिक, मुख्य तस्कर, किंग  
का मांस, मैं उघेड़ूंगी।

कुछ ही पलों में तेरे  
चिथड़े पूरे राजनगर में  
बिखरने वाले हैं।

और फिर भी  
तू जानना चाहता है  
कि मैं कौन हूँ!

क्योंकि मरने के बाद, किसी  
जानकारी का कोई मतलब  
नहीं रह जाता है।

और उसके बाद जो  
कुछ भी होगा, वह तुम्हें जानने  
की कोई जरूरत नहीं है...

धुस का बदल, तेजी से जमीन की तरफ गिरने लगा।

हवा, सरसराती हुई पीछे छूटती जा रही थी।

और जमीन तेजी से पास आती जा रही थी।



अब मैं वापस 'प्राकृतिक-  
विज्ञान संस्थान' जाऊँ, या  
पहले किंगपिन का खतसा  
करूँ ?

नहीं ! अभी 'प्राकृतिक विज्ञान  
संस्थान' जाना खतरनाक ही  
सकता है !

धुव की मौत देखने का लेडी बर्ड की कोई झोक  
नहीं था ।

पहले किंगपिन से अपना  
हिसाब चुका लूँ ! उसके बाद  
विज्ञान संस्थान से अपना काम  
तो मैं कभी भी कर लूँगी !

मेरी मौत मेरे  
पास आती जरूर लग  
रही है ... लेकिन  
मैं डेंगपाटी की मौत  
देख चुका हूँ ।

और दुश्मन की ताकत इसीलिए मैं  
को भी समझ चुका हूँ ! तैयारी के साथ  
आया था ।

यह 'नायलोस्टील' की पतली डोरी  
मैं ऐसी ही किसी स्थिति के लिए  
लेकर आया था !

और अब यही  
मुझे बचाएगी !

और धुव ने मौत को रुक कर  
फिर सात दे दी !

डोरी का खतरना, इमारत  
में भा फंसा —



अब सबसे पहले 'प्राकृतिक विज्ञान संस्थान' जाकर, 'लेडी बर्ड' के वहां पर आने का कारण पता लगाना होगा।

और फिर- प्राकृतिक विज्ञान संस्था में-

वह जो भी थी, ध्रुव! यहां पर रीता के सामान में से कुछ ढूंढ़ रही थी!

वह तो मैं सेन वक्त पर, यहां पर कुछ ढूंढ़ने आ गई, वर्ना...



शायद उससे मुझे कुछ सवालनों के जवाब मिलें!

ध्रुव

यह रीता कौन है?

रीता 'हे' नहीं, थी!

वह अपने भाई के साथ एक दुर्घटना में जाकर मर गई! दक्षिणी राजनगर के फार्म हाऊस में!

ओह! रीता यहां पर क्या करती थी?

वह एक रिसर्च स्कॉलर थी। बच्चों की आइसर्च जनक ताकत, उड़ने की क्षमता और तेज नजर पर रिसर्च कर रही थी।

ओह! यानि 'लेडी बर्ड' यहां पर वही सीरम लेने आई थी।

नहीं! उसने सीरम की तरफ तो देखा भी नहीं! वह इस झीड़ी की तरफ लपक रही थी।



उसने बच्चों के शरीर से एक ऐसा सीरम निकालने में सफलता प्राप्त कर ली, जो बच्चों को ये शक्तियां देता है।

ध्रुव के साथ पर सिंकुडने पड़नी शुरू हो गई थीं।

क्या है इस झीड़ी में?

यह तो मुझे भी नहीं मालूम!

लेकिन यह पक्का है कि उसे यही झीड़ी चाहिए थी।



वह धीरे-धीरे सारी बात समझ रहा था!

लेकिन किंगडॉन कुछ समझ नहीं पा रहा था।

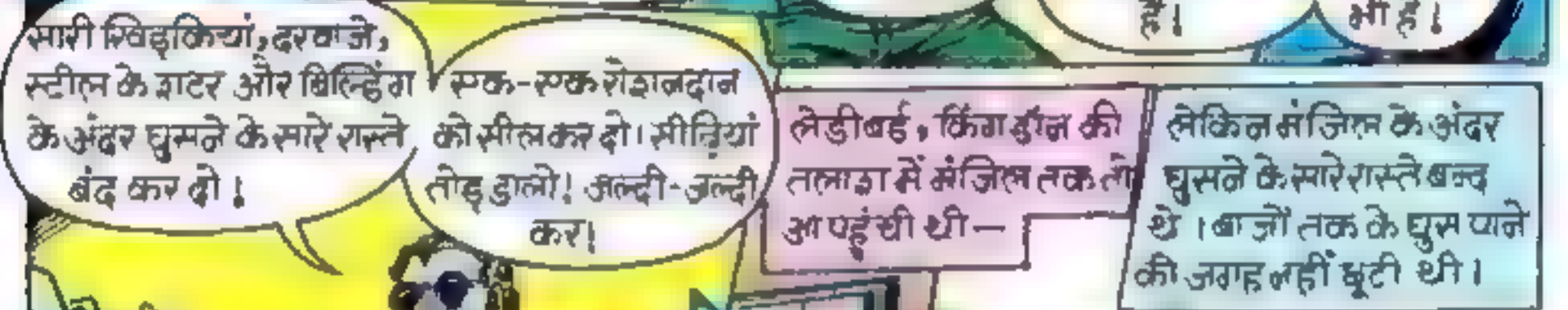
सोच-सोच कर मिर दुःख गया!

हेरोडन मंगाने का कोर्ड नया रास्ता समझ में ही नहीं आ रहा है!



लेकिन इतने सारे कबूतरों को क्या करें, किंग?







हमला शुरू हो गया था—

स्विडिकियों के स्टील-शटरों और दीवार की पुरानी ईंटों ने जगमगा देना शुरू कर दिया था—

उसके बाद किंगडॉन की जान ले डी बर्ड के रहस्यों पर थी—

बी... बीस ! हर धमाके के साथ मेरी धड़कन दुरुनी होती जा रही है!

भम्भम्भ

वाहवाह

कुछ ही देर की बात थी—

अंदर जाने का रास्ता खोलने के लिए बम हवा में उड़ा—

और हवा में ही नष्ट हो गया।

कड़ममम

धुत भी किंगडॉन के अड़डे तक आ पहुंचा था।

भम्भम्भ

सच कहता है, येले! यहाँ से भागने का मौका दूँ!

रास्ता सोच!

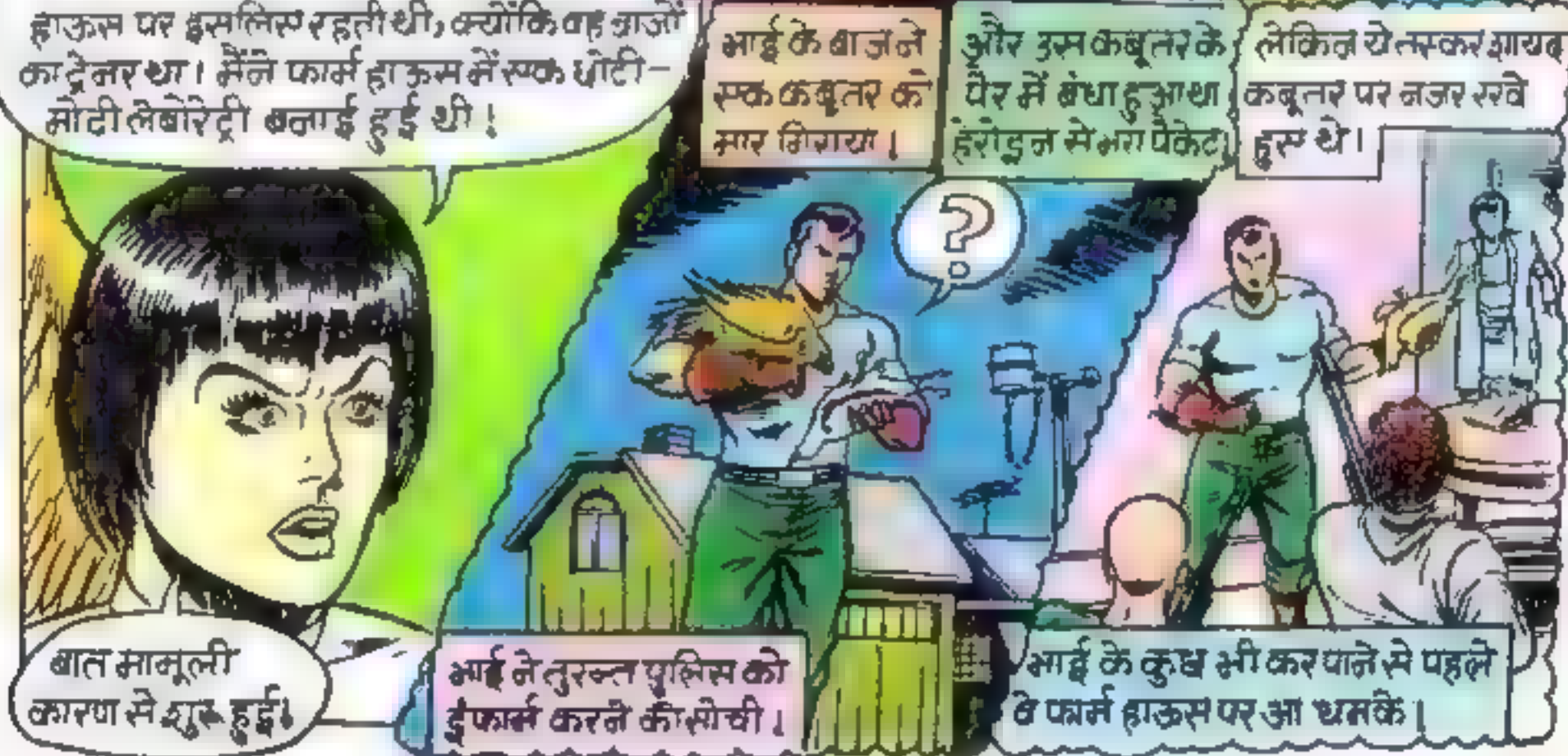
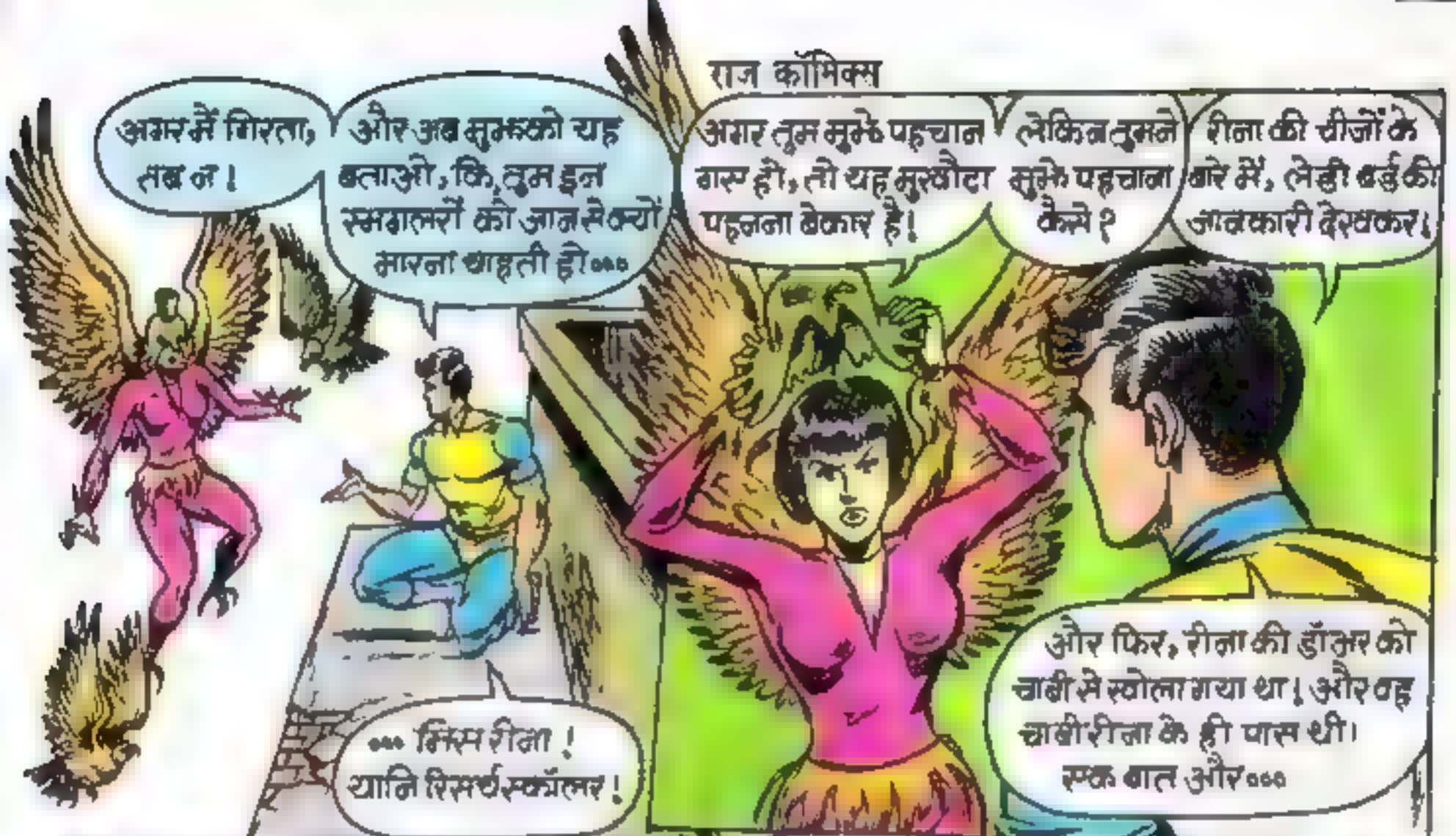
शाबास ! बस एक धमाका और, और फिर अंदर जाने का रास्ता खुल जाएगा!

वाहवाह

तू... तू बच गया ? कैसे बच गया ?

इतनी ऊँचाई से गिरकर कोई भी नहीं बच सकता है!







मेरी ओरघों के सामने, बगैर कोई मौका दिय, मेरे भाई की बेरहमी से पीट-पीट कर बेहोश कर दिया गया—

अब गुंडों का ध्यान मुझ पर गया !

मैंने भागकर अपनी लैब में छुपने की कोशिश की। लेकिन बच नहीं सकी। लैब में, बाजों का सीरम रखा हुआ था—

**भाई!**



वही सीरम, इन गुंडों ने मेरे गले में उड़ेल दिया—

मैं भी होश खो बैठी।

और ये तस्कर, फार्म हाऊस को आग के हथामे करके, हँसते हुए चले गए—

लेकिन सीरम के असर से मेरे शरीर में बदलाव होने लगा था। मेरे पंख निकलने लगे थे। पैर की जगह पंजे बन गए थे।

अब मुझे होश आया, तो आग पूरी तरह से फैल चुकी थी। भाई को बचाने का कोई रास्ता नहीं था। बड़ी मुश्किल से मैं खुद बच सकी।



और वह भी सिर्फ इसलिए, क्योंकि...

...अब मैं उड़ सकती थी।

अब तुम समझ गए न! मुझे प्रतिशोध चाहिए। और वह किंगडॉन का खून देखकर ही मिलेगा!

मैं तुम्हारा बद अचछी तरह से समझ गया हूँ रीना!

यानि कि तू फिर मेरा रास्ता रोकेगा! पर अब ऐसा नहीं हो सकता!

डॉन किंग मेरा आखिरी शिकार है!

कानून भी उसको मुझसे नहीं धीन सकता!



लेकिन कानून को हाथ में मत लो!

डॉन किंग को पकड़कर मैं कानून के हवाले करूँगा! और उसे सजा दिलवाऊँगा!

बाज! अटक!



हमला रुक बार  
फिर शुरू हो गया—

हथियार वही थे। लेकिन  
अब उनका निशाना था—

इस पर बमों से  
निशाना लगा नहीं  
पा रहा है!

समय बेकार हो रहा है! धमाके की  
आवाजें सुनकर पुलिस किसी भी  
वक्त यहां पर आ सकती है!



इस पर सीधा हमला  
करना होगा! अपने कुछ  
बाजों की बलि देनी ही  
पड़ेगी!

सुसाइड अटैक!

धुव!

इसीलिए बम बेकार  
साबित हो रहे थे।

तीन बाज रुक साथ धुव  
की तरफ लपके—

तीनों के गले में डायनामाइट  
की लड़ियां बंधी थी।



तीन धमाके हुए—

लेकिन धुव हर धमाके से रुक पल पहले अपनी वह जगह छोड़ चुका था—

बचना मुश्किल हो रहा है! और अगर  
ये बाज मुझे खत्म करने में सफल हो गए  
तो मैं इस लड़की को नहीं बचा पाऊंगा!

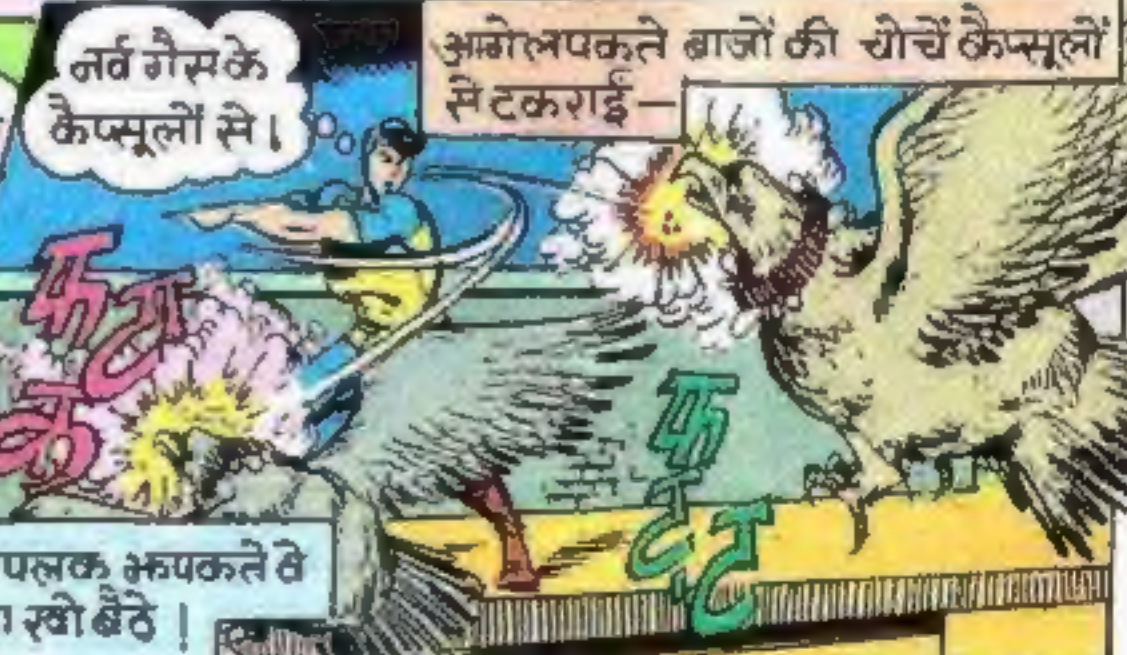
नर्व गैस के  
कैप्सूलों से।

आगे लपकते बाजों की चोंचें कैप्सूलों  
से टकराई—



इसलिए अब बचना छोड़कर  
पलट कर हमला करना होगा!

और पलक भरपकते से  
होश रखी बैठे!





उड़ती मौत

लेकिन बाजों की संख्या ज्यादा थी।

ओह! मेरे पास 'नर्वकैम्सूल' खत्म हो गए हैं। और अभी भी तीन बाज बचे हुए हैं!



कम से कम दो बाजों से तो मैं...

...अब भी निपट सकता हूँ!

**बाइ!**

ओह! मेरा सिर्फ एक बाज बचा है! इसलइके ले मेरे सारे बाजों को खत्म कर दिया!

इमारत की दीवार से, ध्रुव का शरीर, एक भीषण आवाज के साथ टकराया—

हाँ... वास! अच्छा मौका है! ध्रुव और वह बाजिन दोनों आपस में भगड़ रहे हैं!



अब मैं तुमको अपने हाथों से मौत दूंगी!

और ध्रुव के मुंह से कराह निकल गई।

बाल मत कर! बगल वाली छत पर कूदकर निकल ले यहाँ से!



लेकिन 'किंगडॉन' का आगला  
अनदेखा नहीं जा रहा था।

स्क्रिंच!

आदेश मिलते ही बाज  
अपने लक्ष्य की तरफ  
लपका—

और दोनों ही लड़खड़ा कर  
मुँहेर से फिसल गए।

लेडी बर्ड उर्फ रीना ने अपने  
दुश्मन को देख लिया था।

नीचे गिरने की  
सिर्फ आवाज सुनाई  
पड़ी—

ओफ़! आखिरकार  
यह कामयाब हो ही गई!  
अब मैं इसको कोई मौका  
नहीं देना चाहता।

ध्रुव, लेडी बर्ड के  
ऊपर जा पहुँचा।

इस वक्त पंख, उसके शरीर का  
ही एक अंग थे।

एक ही सधी हुई  
कलाबाजी से—

उसके हाथ पंखों  
पर कस गए।

लेडी बर्ड, बर्द  
से चीख उठी—

और अब उसके पास  
नीचे उतरने के अलावा  
और कोई चारा नहीं था।



हृद के कारण, उसका मुंह, चीखने के लिए अभी भी खुला हुआ था —

अब अगर मेरा रक्तान सही है, तो इस झीझी में मेरा द्रव ही रीना का इलाज है।

मेरे रक्तान से इसने छाजों का सीरम बनाने के साथ-साथ, उनका काट भी तैयार किया था...

... जिसके बारे में सिर्फ ये ही जानती थी।

जो मैं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान से अपने साथ लेता आया था।

इसलिए दूसरी वैज्ञानिक इस झीझी में मेरे द्रव को नहीं पहचान पा रही थी।

ध्रुव का रक्तान सही था।

रीना के शरीर में लगभग तुरंत ही बदलाव शुरू हो गया था।

तुम्हारे यह 'स्टंटी सीरम' लाने से मुझे यह पता चल गया कि तुम मेरे सारे राज जान चुके हो। 'स्टंटी सीरम' में खुद ही पी लेती।

कैसे भी किंगडॉम का स्वात्मा करने के बाद ये 'स्टंटी सीरम' में खुद ही पी लेती।

इसीलिए मैं इसको लेने विज्ञान संस्थान गई थी। फार्म हाऊस में रखा स्टंटी सीरम तो आग में जलकर लपट हो गया था।

अब मेरे सारे काम पूरे हो गए हैं, ध्रुव।

अब मैं कानून का हर हुक्म मानने को तैयार हूँ।

चलो!

वह वापस, अपनी सामान्य अवस्था में आ रही थी।

ध्रुव कुछ न बोल सका।

कहने को कुछ बचा ही नहीं था।

समाप्त.